मनोविज्ञान का विषय क्षेत्र
(The Scope fo Psychology)

मनोविज्ञान का विषय क्षेत्र **(The Scope fo Psychology)** – सामाजिक और व्यवहारिक विज्ञान परिवार में मनोविज्ञान का स्थान

मनोविज्ञान, सभी प्राणीमात्र के संम्पूर्ण व्यवहार के अध्ययन से अपना संबंध रखता है।

Psychology – ग्रीका भाषा **Psyche + Logos** के साइके व लोगस अर्थात आत्मा + ज्ञान = आत्मा का अध्ययन है।

- यह मानव व पशु के व्यवहार को समझने और इसकी पूर्व सूचना देने का विज्ञान है।
- विल्हेम मैक्सिमिलियन वुण्ट **(Wilhem Maximilian Wundt)** नामक जर्मन चिकित्सक को मनोविज्ञान का जनक माना जाता है। उन्हें प्रायोगिक मनोविज्ञान का प्रतिपादक माना जाता है।
- नरेन्द्र नाथ सेन गुप्ता (कलकत्ता विश्वविद्यालय) को भारत में मनोविज्ञान का पिता माना जाता है।
- विलियम मैकडूगल के अनुसार मनोविज्ञान व्यवहार का विज्ञान है।

CAREER FOUNDATION

© Click on :- Career foundation

मनोविज्ञान का क्षेत्र/शाखाएँ (Scope or Branches fo Psychology)

1. असामान्य मनोविज्ञान
2. पशु मनोविज्ञान
3. बाल मनोविज्ञान
4. प्रयोगात्मक मनोविज्ञान
5. शरीर–क्रिया मनोविज्ञान
6. मनोमिति
7. समाज मनोविज्ञान
8. नैदानिक मनोविज्ञान
9. परामर्श मनोविज्ञान
10. शिक्षा मनोविज्ञान
11. औद्योगिक मनोविज्ञान

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

© Click on :- Career foundation

1. असामान्य मनोविज्ञान (Abnormas Psychology)

- यह वैज्ञानिक मनोविज्ञान की एक शाखा है।
- यह असामान्य व्यक्तित्व का अध्ययन करती है।
- इसमें मनुष्य के संवेदी प्रत्यक्ष ज्ञान **(Sensory Preception)** की असामानता मनः कायिक **(Psychomotor)** क्रियाओं आदि की असामान्यतया का अध्ययन होता है।
- असामान्य मनोविज्ञान के अधीन मनोविक्षिप्त **(Psychoses),** तंत्रिका रोग, चरित्र व्याधि, **(Character disorder),** मानसिक न्यूवता आदि जैसे व्यक्तित्व–संबंधि दोषों का अध्ययन होता है।
- पीनेल **(Pinel)** ने असामान्य मनोविज्ञान के अधीन रोगो के निदान में महत्वपूर्ण कार्य किया है। पागलों की बेड़ियाँ काटकर उनके साथ मानवीय व्यवहार करने का अभियान उन्होंने सफलता पूर्वक चलाया।

CAREER FOUNDATION
जुड़ें राष्ट्र सेवा का

- असामान्य मनोविज्ञान में अपना योगदान देने वाले विद्वानों में जैनेट, फ्रायड प्रमुख है।
- फ्रायड ने तो संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास का ही एक सिद्धांत दिया जिसे मनो विश्लेषण सिद्धांत कहलाता है।
- इस सिद्धांत के अधीन सामान्य तथा असामान्य विचार व व्यवहार के विकास की व्याख्या की जाती है।
- फ्रायड के अनुसार व्यक्ति के तीन पक्ष इद्म **(Id)** , अहम **(Ego)** और पराह्म **(Super-ego)**
  - **Id** – पाशविकता की ओर ले जाने वाली शक्ति

© Click on :- Career foundation

- **Ego** – बाहरी वास्तविकता से संबंध
- **Super- ego** – उच्चतम मानव मूल्यों की ओर ले जाने वाली शक्ति।

2) पशु–मनोविज्ञान (Animal Psychology)

- डार्विन के विकासवाद–सिद्धांत की मान्यता मिलते ही पशु–व्यवहारों के अध्ययन भी मनोविज्ञान की एक शाखा के रूप में स्थापित हो गया।
- डार्विन ने अपनी रचनाओं –

  1. Origin of Species (1854) और **2. Discent of man (1873)** में यह सिद्ध किया कि मनुष्य और पशु में केवल विकास की मात्रा का भेद है। निम्न कोटि के प्राणियों से ही विकसित होते हुए मानव वर्तमान स्वरूप प्राप्त किया है।

CAREER FOUNDATION
जनन राष्ट्र सेवा का

- पशु–मनोविज्ञान की पत्रिका **–Journal fo Animal Psychology'** का प्रकाशन 1944 में प्रारंभ हुआ।
- 1969 में इस पत्रिका का नाम बदलकर **(Journal fo Comparative Enthology)** कर दिया गया।
- लायड मोर्गन (1894) में कहा था कि पशुओं का मानवीकरण वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सही नही है।
- मोर्गन के इस विचार को संयम का नियम कहा जाता है।

© Click on :- Career foundation

3) बाल–मनोविज्ञान (Child Psychology)

- यह बच्चे का गर्भधारण से लेकर परिपक्व होने तक का अध्ययन करता है।
- जेम्स के अनुसार नवजात शिशु के लिए यह संसार एक गरजती, भिनभिनाती अस्तव्यस्तता का देर है।
- गेसाल्टवादियों के मत में जन्म के समय भी बच्चा अपने आस–पास की चीजों का अर्थ समझता है।
- बाल विकास संबंधी संवेदी, गति विकास, बौद्धिक विकास और अचर पड़ने वाले कारकों के प्रभावों का अध्ययन करता है।
- विल्हम प्रेयर को प्रथम बाल मनौवैज्ञानिक माना जाता है।
- आधुनिक बाल मनोविान में वस्तुनिष्ठ प्रेक्षण विधि, प्रयोगात्मक विधि , वृहत समूह जननिक सर्वेक्षण **(Genetic Survey of large groups)** जैसी विधियों की सहायता ली जा रही है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

4) प्रयोगात्मक मनोविज्ञान (Experimental Psychology)

- मनोविज्ञान अपने विकास के प्रारंभिक चरण में शुद्ध प्रयोगात्मक मनोविज्ञान ही था।
- बिल्हेम मैक्सिमिलियन वुट और उनके सहयोगी इसी प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के विकास में अमूल्य योगदान दिया है।
- प्रयोगात्मक विज्ञान के अधीन अवगम (प्रत्यक्ष ज्ञान), अधिगम, अभिप्रेरण, स्मरण, निस्मरण संवेग **(Emotions),** चिंतन इत्यादि प्रक्रियाओं का अध्ययन होता है।

© Click on :- Career foundation

5) शरीर–क्रिया मनोविज्ञान (Physiological Psychology)-

- प्रारंभ में प्रयोगात्मक मनोविज्ञान को शरीर क्रिया–मनोविज्ञान कहा जाता था।
- वुण्ट ने प्रयोगात्मक मनोविज्ञान की अपनी पुस्तक का नाम शरीर–क्रिया मनोविज्ञान **(Physiological Psychology)** ही रखा था।
- शरीर–क्रिया मनोविज्ञान यह जानने का प्रयास करता है कि मानव मस्तिष्क के लगभग 5 अरब कोषाणुओं **(Cells)** और संपूर्ण शरीर में फैले हुए उनके असंख्य संबंधो के द्वारा किस प्रकार विविध प्रकार के व्यवहारों की उत्पति होती है।
- इसके अंतर्गत शरीर की उन सभी क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है जो प्राणि में व्यवहार उत्पन्न करता है।
- तंत्रिका तंत्र, मांशपेशी, ग्रंथि इत्यादि का अध्ययन इसमें शामिल है।
- आधुनिक प्रयोगात्मक विज्ञान का एक बड़ा भाग शरीर क्रिया मनोविज्ञान की ही देन है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

6. मनोमिती (Psychemetrics)

- मनोमिति मनोविज्ञान की वह शाखा है जिसमें मनोवैज्ञानिक समस्याओं और विशेषकर मनो–परीक्षा **(Mental Testing)** में मापन एवं गणित का प्रयोग किया जाता है।
- मनोविज्ञान की वस्तुनिष्ठता बढ़ाने में मनोमिती ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- मनोमिती ने मानसिक विशेषताओं जैसे अमूर्त विषय को मनोविज्ञान के अंतर्गत मापकर बड़ा चमत्कार दिखया है।

© Click on :- Career foundation

- मनोमिती के विकास में महत्वपूर्ण योगदान एबीघौंस **(Ebbighcus)** का है, जिन्होंने बुद्धि मापकों का निर्माण किया।
- अभिक्षमता व मनोवृति की जाँच हेतु मनोमिती का ही प्रयोग होता है।

7. समाज मनोविज्ञान (Social Psychology)

- व्यवहारवादी दृष्टिकोण के अनुसार समाज मनोविज्ञान में सामाजिक उद्दीपनों के प्रति होने वाली मनुष्य की अनुक्रियाओं का अध्ययन किया जाता है।
- इसके अध्ययन में व्यक्ति के व्यवहार एवं योग्यताओं पर सामाजिक प्रभाव, मनोवृति **(attitude)** जनमत, सामाजिक प्रतिमान, समूह गति की, नेतृत्व संघर्ष, अपराध इत्यादि समस्याओं का अध्ययन किया जाता है।
- प्रमुख पुस्तके – **Social Psychology -Ross**

Social Psychology- Ms Dongall (1908)

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

8. नैदानिक मनोविज्ञान (Clinical Psychology)

- यह असामान्य मनोविज्ञान की एक शाखा है।
- किसी चिकित्सालय में कोई मनोविज्ञान किसी रोगी के रोग–निरूपण तथा उपचार के लिए जो कुछ करता है, वही नैदानिक मनोविज्ञान है।
- पियाजे ने बाल मनोविज्ञान में प्रेक्षण एवं पर्यवेक्षण की कुछ विशेष पद्धतियों का प्रयोग किया।

© Click on :- Career foundation

- नैदानिक मनोविज्ञान की शुरूवात प्रथम विश्वयुद्ध के समय हुई, जब युद्ध में सैनिकों के मस्लिष्क में चोटे आयी। इस दिशा में प्रसिद्ध मनोविज्ञान क्रेपलीन की भूमिका महत्वपूर्ण रही।
- दमा, एक्जीमा, पाचन–क्रिया, नपुंसकता आदि रोगों का इलाज क्लिनीकल मनोविज्ञान द्वारा किया जाने लगा है।

9. परामर्श–मनोविज्ञान (Counseling Psychology)

- यह व्यावहारिक मनोविज्ञान की शाखा है।
- नैदानिक मनोविज्ञान जहाँ व्यक्ति के तीव्र मानसिक रोगों के उपचार का प्रयास किया जाता है वही परामर्श मनोविज्ञान में व्यक्ति की साधारण समस्याओं के संबंध में सलाह दी जाती है।
- मनश्चिकित्सा **(Psychotherepy)** और परामर्श मनोविज्ञान में अंतर यह है कि परामर्श मनोविज्ञान में सामान्य व्यक्तियों को सलाह दी जाती है जबकि मनोचिकित्सा में मानसिक रोगियों का इलाज किया जाता है।

10. शिक्षा मनोविज्ञान (Educations Psychology)

- व्यवहारिक मनोविज्ञान की शाखाओं में एक शिक्षा मनोविज्ञान भी है।
- शिक्षा–मनोविज्ञान का अभिप्राय शिक्षण परिस्थितियों के मनोवैज्ञानिक अंगो का अन्वेषण करने से है।
- शिक्षा मनोविज्ञान का प्रमुख कार्य –

© Click on :- Career foundation

a. शिक्षा का अर्थ निश्चित करना

b. शिक्षार्थियों का प्रत्येक वर्ग का उनकी योग्यताओं एवं अभिरूचियों के अनुसार वर्गीकरण करना

c. उचित शिक्षकों का चयन व प्रशिक्षण।

11. औद्योगिक मनोविज्ञान (Industrial Psychology)

- यह व्यवहारिक मनोविज्ञान की वह शाखा है, जो उद्योग में कुशलता बढाने के लिए मजदूर और उसके कार्य वातावरण के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करता है।
- स्मिथ व क्रेनी **(Smith and creny)** 1968 लिखते है कि आजकल औद्योगिक मनोविज्ञान मजदूर और उपभोक्ता की संतुष्टि पर ध्यान दे रहा है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

सामाजिक विज्ञानों के परिवार में मनोविज्ञान का संबंध

1) जीव विज्ञान और मनोविज्ञान

- जीव विज्ञान मे पशु एवं वनस्पति दोनों का अध्ययन होता हैं। मनोविज्ञान में केवल सजीव प्राणियों का अध्ययन होता है। मनो विज्ञान के बहुत से अध्ययन होता है। मनो विज्ञान के बहुत से अध्ययन विषय का एक भाग माना जा सकता है।

© Click on :- Career foundation

- मनोविज्ञान के अधीन मनुष्य शरीर रचना **(anatomy),** शरीर–क्रिया **physiology)** आदि के अध्ययन से बढकर उसकी समसओं का भी अध्ययन करता है।
- वैज्ञानिक मनोविज्ञान की पारंभिक नींव डालने वाले जीव विज्ञान तथा प्राकृतिक विज्ञान ही थे – हेल्महोज, वेबर, फैकनर, बुँट इत्यादि।

2) मनोविज्ञान और समाज विज्ञान

- समाज विज्ञान में समाज/व्यक्तियोकं के समूहों का अध्ययन किया जाता है।
- समाज मनोविज्ञान का अध्ययन व्यक्ति से प्रारंभ होता है जिसमें यह देखा जाता है कि व्यक्ति किस प्रकार अपने वातावरण के प्रति व्यवहार करता है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

© Click on :- Career foundation